**भारत सरकार**

**आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3113**

**07 अगस्त, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए**

**उत्तर प्रदेश में मेट्रो रेल परियोजनाएं**

**†3113. श्रीमती डिम्पल यादवः**

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश (लखनऊ, कानपुर, आगरा, नोएडा और गाजियाबाद) में मेट्रो नेटवर्क की वर्तमान परिचालन लंबाई कितनी है और शहर-वार औसत दैनिक सवारियाँ कितनी हैं;

(ख) लखनऊ चरण-2, कानपुर गलियारों और आगरा चरण-2 सहित चल रहे मेट्रो के चरणों की स्थिति और पूरा होने की अनुमानित समय-सीमा क्या है और लागत में वृद्धि अथवा विलम्ब, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है; और

(ग) उत्तर प्रदेश में लखनऊ-कानपुर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस), मेरठ मेट्रो और गोरखपुर मेट्रो सहित वर्तमान में नियोजन के अधीन या विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के चरण में कौन-कौन सी नई मेट्रो या रैपिड ट्रांजिट परियोजनाएँ हैं और उनके शुरू होने की संभावित तारीखें क्या हैं?

**उत्तर**

**आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री**

**(श्री तोखन साहू)**

(क) उत्तर प्रदेश में मेट्रो और आरआरटीएस नेटवर्कों की **वर्तमान** परिचालन लंबाई और औसत दैनिक यात्री संख्या का विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ख) इस मंत्रालय को लखनऊ मेट्रो फेज-1बी के लिए चारबाग से वसंतकुंज तक 11.165 रूट किलोमीटर का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है, जिसकी लागत 5,801.05 करोड़ रुपये है तथा अनुमानित पूर्णता अवधि स्वीकृति की तिथि से 5 वर्ष की है।

11,076.48 करोड़ रुपये की लागत वाली 32.38 किलोमीटर लंबी कानपुर मेट्रो रेल परियोजना और 8,379.62 करोड़ रुपये की लागत वाली 29.4 किलोमीटर लंबी आगरा मेट्रो रेल परियोजना को पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी है। लखनऊ, कानपुर और आगरा में मेट्रो परियोजनाओं की कार्यान्वयन एजेंसी, यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसीएल) ने सूचित किया है कि इन परियोजनाओं की लागत में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

(ग) 'शहरी नियोजन' राज्य का विषय है, इसलिए संबंधित राज्य सरकारें मेट्रो और क्षेत्रीय त्वरित परिवहन प्रणाली परियोजनाओं (आरआरटीएस) सहित शहरी परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर की योजना बनाने, उसे आरंभ करने और विकसित करने के लिए उत्तरदायी हैं। 21.15 किलोमीटर लंबी मेरठ मेट्रो रेल सिस्टम पहले से स्वीकृत दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस परियोजना का अभिन्न अंग है। वर्तमान नीति के अनुसार, आरआरटीएस परियोजनाओं को केवल एनसीआर में ही कार्यान्वित करने की योजना है। लखनऊ-कानपुर एनसीआर का हिस्सा नहीं है।

गोरखपुर सहित मेट्रो परियोजनाएँ अत्यधिक लागत वाली हैं और इनके लिए केंद्र सरकार के विभिन्न स्तरों पर गहन जाँच-पड़ताल की आवश्यकता होती है। विभिन्न शहरों के मेट्रो परियोजना प्रस्तावों को जनसंख्या के आकार, अत्यधिक ट्रैफिक, विकास योजनाओं आदि जैसे कई कारकों के आधार पर अनुमोदन हेतु प्राथमिकता दी जाती है। इसके अतिरिक्त, ऐसे प्रस्तावों का अनुमोदन हमेशा प्रस्ताव की व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है, ताकि ऐसी परियोजनाओं की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

*****

**अनुलग्नक ।**

श्रीमती डिंपल यादव द्वारा पूछे गए लोक सभा प्रश्न संख्या 3113, जिसका उत्तर 07.08.2025 को दिया जाना है, के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

उत्तर प्रदेश में मेट्रो नेटवर्कों की वर्तमान परिचालन लंबाई, औसत दैनिक यात्री संख्या का शहर-वार विवरण :

| क्र. सं. | मेट्रो रेल परियोजना का नाम | राज्य | शहर | कुल लंबाई (किमी में) | परिचालन लंबाई (किमी में) | औसत दैनिक यात्री संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना | **उत्तर** प्रदेश | लखनऊ | 22.878 | 22.878 | 78,000 |
| 2. | कानपुर मेट्रो रेल परियोजना | | कानपुर | 32.38 | 15.00 | केवल आंशिक खंड ही चालू है |
| 3. | आगरा मेट्रो रेल परियोजना | | आगरा | 29.4 | 6.00 | केवल आंशिक खंड ही चालू है |
| 4. | नोएडा मेट्रो रेल परियोजना | | नोएडा | 29.707 | 29.707 | 59,648 |
| 5. | नोएडा में दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर | | नोएडा | 17.761 | 17.761 | 5,67,896 (फुटफॉल) |
| 6. | गाजियाबाद में दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर | | गाजियाबाद | 11.9 | 11.9 | 1,89,858 (फुटफॉल) |
| 7. | दिल्ली मेरठ (आरआरटीएस) | | गाजियाबाद | 40.6 | 40.6 | केवल आंशिक खंड ही चालू है |
| | | | मेरठ | 28.05 | 3.6 | |
| कुल | | | | 212.676 | 147.446 | |